सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 21 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 310, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड करोड़ों की शासकीय भूमि अवैध कजे से मुक्त... » Pg03

लखनऊ में पधारे 52 देशों के न्यायविद

न्याय सुरक्षा व उन्नत भविष्य का आधार बनेः सीएम योगी

विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलनः योगी सरकार ने किया भव्य स्वागत, ताजमहल देखकर मंत्रमुग्ध हुए मेहमान

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को सिटी मांटेसरी स्कूल की कानपुर रोड की शाखा में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। सम्मेलन का समापन आज शाम को रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह करेंगे।

इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार मानता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की वास्तविक समस्या एक-दूसरे के साथ डायलॉग को बाधित करना है। यह सम्मेलन एक-दूसरे के साथ संवाद का साधन है। कुछ समय पहले यूएन ने दुनिया के सामने 16 गोल रखे थे। उसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में इस बात का ध्यान रखना होगा कि बच्चे बस्ते के बोझ से बोझिल न हों। दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है। जहां वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर शिक्षा, विकास, स्वास्थ्य की बात अपने आप में एक बेमानी सी दिखती है। इसके लेकर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि किस स्तर तक की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं।

सीएम ने आगे कहा कि हम अक्सर इस बात को देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्या भी हमारे सामने खड़ी है। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अतंरराष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यूएन ने 80 वर्ष पहले कहा था कि दुनिया को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। इस पर आज सोचने की जरूरत है। साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए भारत की उस प्राचीन व्यवस्था पर जरूर ध्यान देना चाहिए, जिस पर हमने पांच अवयव पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि, वायु की उपासना का आधार मान करके इनकी सुरक्षा, सरंक्षण को सदैव प्राथमिकता दी।

दुनियाभर में संदेश देने की आवश्यकता

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि आज जब दुनियाभर के न्यायविद एक जगह एकत्र हुए हैं, तो न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता कैसे निकाल सकता है, इस कांफ्रेंस के माध्यम से दुनियाभर में यह संदेश देने की आवश्यकता है। न्याय न केवल समता का बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए।

जानकारी के मुताबिक, क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति स्टीपन मेसिक, लेसोथो के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. पकालिथा बी. मोसिलिली, घाना की संसद के सभापति अल्बन किंग्सफोर्ड सुमाना बैगबीन, एंटीगुआ और बरबूडा संसद के अध्यक्ष आस्बर्ट आर फ्रेडरिक सहित कई देशों के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

डिप्टी सीएम ने किया वेलकम

अंतरराष्ट्रीय न्यायाधीशों के सम्मेलन से पूर्व 52 देशों से आए विदेशी मेहमानों ने आगरा में ताजमहल का विस्तार से भ्रमण किया। इसके बाद देश शाम मेहमान लखनऊ पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 160 से ज्यादा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद अध्यक्ष, मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश एवं कानूनविदों का लखनऊ में स्वागत किया।

मर्डर से सनसनी

भतीजा बोला- चुनावी रंजिश में सीने-सिर पर किए पांच फायर

घर के बाहर ताबड़तोड़ बरसी गोलियां, गोलियों से छलनी हुए वीआईपी के नेता

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मोतीहारी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मिली करारी हार के बाद सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को एक और बड़ा झटका लगा है। पश्चिम चंपारण के रक्सौल में वीआईपी के एक महत्वपूर्ण नेता की बाइक सवार बदमाशों ने सरेआम गोलियों से भूनकर हत्या कर दी है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और वीआईपी पार्टी के भीतर गहरा दुख और गुस्सा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन मृतक का अपना आपराधिक इतिहास और नक्सली गतिविधियों में कथित संलिप्तता होने से मामला और भी पेचीदा हो गया है।

हत्या की यह सनसनीखेज वारदात शुक्रवार सुबह 6.30 बजे रक्सौल के दरपा थाना क्षेत्र के तिनकोनी गांव में हुई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय कामेश्वर सहनी के रूप में हुई है, जो वीआईपी पार्टी के छौड़ादानों प्रखंड अध्यक्ष के दायित्व में थे। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह कामेश्वर सहनी अपने घर से शौच करने के बाद बाहर निकलकर हाथ धो रहे थे। तभी दो बाइक पर सवार तीन हथियारबंद अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। गोलियों से छलनी कामेश्वर सहनी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से गांव में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर सहनी की हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक कामेश्वर सहनी का खुद भी आपराधिक इतिहास रहा है और उनके विरुद्ध थाने में कई मामले दर्ज हैं।

इतना ही नहीं, पूर्व में उनकी नक्सली गतिविधियों में संलिप्तता भी रही है। पुलिस अब इस बात की छानबीन कर रही है कि क्या इस हत्या के पीछे कोई राजनीतिक रंजिश है या फिर यह उनके पुराने आपराधिक इतिहास का नतीजा है। घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल डीएसपी मनीष आनंद और कई थानों की पुलिस बल तुरंत गांव में पहुंच गए। घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड टीम भी पहुंच गई है और सबूत जुटाने का काम जारी है। डीएसपी ने मीडिया को बताया है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा।

लटकती इंटरनेट केबिल बना गले का फंदा, 15 वर्षीय छात्र की मौत

इंटरनेट केबिल से फंसकर सड़क पर गिरा था स्कूटी सवार छात्र, सिर में गहरी चोट से जान गई

»प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। कोचिंग से लौट रहे 15 वर्षीय हाईस्कूल छात्र सार्थक चौधरी की स्कूटी पेड़ से लटक रही इंटरनेट केबिल में उलझ गई। संतुलन बिगड़ने पर वह स्कूटी से उछलकर सिर के बल सड़क पर दूर जा गिरा। हेलमेट न पहनने की वजह से उसके सिर में इतनी गंभीर चोटें आईं कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

गोविंद नगर ब्लॉक-11 के दुर्गा मंदिर के पास रहने वाले जतिन चौधरी कचरी और चिप्स का कारखाना चलाते हैं। उनका बड़ा बेटा सार्थक चिंटल्स स्कूल में कक्षा 10 का छात्र था। रोज की तरह रतनलाल नगर स्थित अमन इंद्रा क्लासेज में शाम चार से छह बजे तक कोचिंग गया था। कोचिंग छुटते ही वह स्कूटी से घर लौट रहा था। जैना पैलेस के पास पहुंचते ही एक पेड़ से टूटी हुई इंटरनेट केबिल सडक़ की ओर लटक रही थी। तेज रफ्तार में स्कूटी उसी में फंस गई। जोरदार झटके से स्कूटी अनियंत्रित हुई और सार्थक उछलकर दूर जाकर सिर के बल गिरा। पीछे से आ रहे अन्य छात्र यह दृश्य देखकर सहम गए। उनके मुताबिक लडक़े के सिर पर इतनी गंभीर चोट आई थी कि दृश्य भयावह था। हेलमेट न होने के कारण चोट का प्रभाव बहुत ज्यादा हुआ।

घटना की जानकारी कोचिंग शिक्षक अमन खट्टर तक पहुंची, जिन्होंने तुरंत छात्र की मां सोनम को फोनकर हादसे की सूचना दी। परिवार पहुंचे और तुरंत बच्चे को पास के निजी अस्पताल ले गए, जहाँ से एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रों का कहना है कि घटना के बाद उन्होंने राहगीरों से रोते हुए मदद मांगी, लेकिन कोई नहीं रुका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घर में मां, पिता और छोटा भाई साकार का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में हर गली-सडक़ पर टूटे हुए और लटकते इंटरनेट केबल हादसों को दावत दे रहे हैं। प्रशासन और कंपनियों की लापरवाही अब बच्चों की जान तक ले रही है।

संदिग्ध हालात में खाली प्लॉट के कमरे में मिला युवक का शव

» फोरेंसिक टीम को कमरे से मिलीं शराब की पांच खाली बोतलें

»प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र की नई बस्ती में गुरुवार सुबह एक खाली प्लॉट के कमरे में 40 वर्षीय युवक का संदिग्ध हालात में शव मिलने से हडक़ंप मच गया। ग्रामीणों ने कमरे में एक व्यक्ति को मृत पड़े देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की।

मृतक की पहचान जोरावरपुर निवासी सौरभ सिंह के रूप में हुई। बताया गया कि सौरभ शराब का अत्यधिक सेवन करता था और लंबे समय से घर से अलग रह रहा था। गांव के ही जितेंद्र सिंह ने उसे बेला रोड स्थित अपने खाली प्लॉट में बने कमरे में रहने की अनुमति दे रखी थी। सौरभ पिछले करीब 15 दिनों से उसी कमरे में रह रहा था ।कमरे की तलाशी में शराब की पांच खाली बोतलें मिलीं, जिससे अंदेशा है कि वह बीती रात भी शराब के नशे में था। चौबेपुर थाना अध्यक्ष आशीष कुमार चौबे ने बताया कि प्रथम दृष्टया अत्यधिक शराब के सेवन और ठंड लगने से मौत होना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

ऑटो सवार महिला की चेन लूटने वाले को पुलिस ने किया लंगड़ा, साथी भी हुआ गिरफ्तार

परसौली मोड़ पर मुठभेड़ में गिरफ्तार 2 बदमाशों में एक के पैर में लगी गोली, फतेहपुर के रहने वाले हैं लुटेरे

»प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। यशोदा नगर निवासी भाई से मिलने आई ऑटो सवार महिला से चेन लूट करने वाले लुटेरों की शुक्रवार तडक़े पुलिस से मुठभेड़ हो गई। नौबस्ता पुलिस को सूचना मिली थी कि लूट में शामिल आरोपी नौबस्ता क्षेत्र में रेकी कर रहे हैं। इसके बाद चार टीमें उनकी तलाश में जुट गई।

परसौली मोड़ के पास चेकिंग दौरान पुलिस ने जब एक बाइक सवार को रुकने का संकेत दिया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक लुटेरे के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी भागने का प्रयास करते ही दबोच लिया गया।

गुरुवार दोपहर शिवराजपुर के काकूपुर निवासी अरुणेश कुमार बाजपेई की पत्नी सुनीता अपने भाई शुभम से मिलने यशोदा नगर आई थीं। दोपहर में ऑटो से गांव लौटते समय करीब पौने चार बजे देवकी नगर चौराहा पहुंचते ही पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने ऑटो के पास बाइक लगाकर झपट्टा मारा और सुनीता के गले से 17.50 ग्राम वजनी चेन तोड़ ली।

महिला के शोर मचाने पर राहगीरों ने पीछा किया, लेकिन आरोपी गली की ओर भागकर आंखों से ओझल हो गए।सुनीता ने तुरंत 112 नंबर पर सूचना दी। नौबस्ता पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से लेकर भागने वाली दिशा तक लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। फुटेज में दोनों आरोपी साफ दिखाई दिए, जिसके आधार पर उनकी पहचान और तलाश तेज की गई।डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि शुक्रवार तडक़े परसौली मोड़ के पास पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हुई। पुलिस ने फतेहपुर निवासी आशीष और करन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो तमंचे भी बरामद हुए हैं। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

ग्राम बारासिरोही में करोड़ों की शासकीय भूमि अवैध कब्जे से मुक्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उपाध्यक्ष और सचिव के निर्देशन में कानपुर विकास प्राधिकरण ने आज अवैध कब्जों के विरुद्ध बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। विशेष कार्याधिकारी भूमि बैंक (जोन-2) की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई में ग्राम बारासिरोही स्थित शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। केडीए के अभियान के दौरान आराजी संख्या 1134, 1135, 1138 और 1741 पर बने अवैध निर्माणों को हटाया गया। लगभग 5000 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली यह भूमि ग्राम समाज/प्राधिकरण के स्वामित्व में है, जिस पर कब्जा करके बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया गया था। इस भूमि का बाजारी मूल्य लगभग 10.40 करोड़ रुपये आंका गया है।

कार्यवाही के दौरान विशेष कार्याधिकारी भूमि बैंक (जोन–2), तहसीलदार, अमीन व पर्याप्त पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा और पूरे अभियान को सम्पन्न कराया।

प्राधिकरण ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी भी शासकीय भूमि पर कब्जा करना दंडनीय अपराध है। भविष्य में भी इसी प्रकार के सतत निरोधात्मक अभियान चलाकर अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।आमजन से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार के अतिक्रमण से दूर रहें, अन्यथा विधिक कार्यवाही की जाएगी।

इरफान सोलंकी के बहनोई की टेनरी में भीषण आग

लाखों का माल जलकर खाक

» एग्जॉस्ट फैन में हुए शॉर्ट सर्किट से लगी आग, केमिकल ने बढ़ाई लपटें

» बिना अग्निशमन यंत्र और एक ही निकास मार्ग मानकों के खिलाफ चल रही थी टेनरी

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। जाजमऊ स्थित संजय नगर में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के बहनोई मो. आबिद की टेनरी में भीषण आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी टेनरी को अपनी चपेट में ले लिया और अंदर रखा लाखों का माल व मशीनरी जलकर नष्ट हो गई। गनीमत यह रही कि आग लगते ही सभी कर्मचारी समय रहते बाहर निकल आए और बड़ी जनहानि होने से बच गई।जाजमऊ के डिफेंस कॉलोनी निवासी मो. आबिद और उनके भाई जावेद की संजय नगर में महबूब एंड संस और ग्रांड एंड संस नाम से टेनरियां संचालित होती हैं। आबिद फिलहाल विदेश में रहते हैं, जबकि उनका परिवार और भाई स्थानीय स्तर पर टेनरी का संचालन देखते हैं।

केमिकल के ड्रम ने आग फैलाई

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) दीपक शर्मा के अनुसार, शुक्रवार सुबह ग्रांड एंड संस टेनरी के एग्जॉस्ट फैन में शॉर्ट सर्किट हुआ। उसके नीचे केमिकल से भरा ड्रम रखा था।

चिंगारी गिरते ही ड्रम में आग भड़क गई और देखते ही देखते पूरी टेनरी आग का गोला बन गई।आग की तेज लपटें और घना धुआँ उठते ही टेनरी में काम कर रहे कर्मचारी बाहर की ओर भागे। पड़ोस की तसमिया टेनरी के कर्मचारियों ने छत से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन केमिकल की वजह से आग नियंत्रित नहीं हो सकी।सूचना पर फायर ब्रिगेड की तीन गाडियां मौके पर पहुंचीं। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और उसे आसपास की अन्य टेनरियों तक फैलने से रोका गया।फायर विभाग की प्राथमिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ कि टेनरी के अंदर कोई भी आग बुझाने वाला यंत्र नहीं था, जबकि बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता था। यह व्यवस्था फायर सेफ्टी मानकों के पूरी तरह खिलाफ पाई गई।सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि आग की चपेट में आकर टेनरी का पूरा माल जल गया, हालांकि किसी कर्मचारी को चोट नहीं आई। फायर विभाग जल्द ही आसपास की अन्य टेनरियों की भी जांच करेगा और टेनरी मालिक को नोटिस जारी किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही रोकने के लिए सख्त कार्रवाई हो सके।

सुबह की सैर पर निकले लोगों को मिला मृत युवक

आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर, बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर कस्बे की नई बस्ती स्थित एक सुनसान पड़े प्लॉट में गुरुवार तड़के एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने शव देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में आसपास के लोग भी बड़ी संख्या में वहां जमा हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक की पहचान जोरावरपुर निवासी बालकिशन सिंह के 40 वर्षीय पुत्र सौरभ के रूप में की। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सैंपल उठाए हैं।

थानाध्यक्ष आशीष चौबे ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला अत्यधिक नशे के सेवन का लग रहा है, हालांकि हर पहलू की बारीकी से जांच कराई जा रही है। पुलिस मृतक की अंतिम गतिविधियों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। घटनाक्रम के बाद मृतक के गांव व परिवार में शोक की लहर व्याप्त है।

आईजीआरएस शिकायत पर दरोगा की नाराज़गी!

चौबेपुर, बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर के निगोहा गांव के एक युवक ने आरोप लगाया है कि जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करना उसे भारी पड़ गया। पीड़ित का कहना है कि शिकायत से नाराज़ होकर चौकी इंचार्ज ने बिना पड़ताल किए उसी पर कार्रवाई दर्ज कर दी। मामला अब पुलिस कमिश्नर तक पहुंच गया है।

पीड़ित बालेंद्र कुमार के मुताबिक, उन्होंने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर गांव के कुछ लोगों द्वारा आए दिन नशे में गाली-गलौज और उत्पीड़न की सूचना दर्ज कराई थी। लेकिन शिकायत दर्ज होने के कुछ ही समय बाद पुलिस ने उनके खिलाफ ही शांतिभंग की धारा में कार्रवाई कर दी। आरोप है कि पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि जांच के दौरान संबंधित पक्ष झगड़े की स्थिति में पाए गए। जबकि पीड़ित का दावा है कि मौके पर कोई जांच हुई ही नहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जांच नहीं की गई तो पुलिस ने झगड़े की कहानी कैसे दर्ज कर दी?

पीड़ित ने मामले की औपचारिक शिकायत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों में भी इस कार्रवाई को लेकर नाराज़गी है।

बदननिवादा में दो दिन से छाया अंधेरा

टूटे बिजली पोल से 25 घरों की सप्लाई हुई ठप, जेई पर लापरवाही का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर। बदननिवादा गांव में 17 नवंबर की रात अज्ञात कारणों से दो बिजली पोल टूट गए, जिसके बाद पूरे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई। हादसे के दो दिन बाद भी लगभग 25 घरों में अंधेरा पसरा है। बिजली गुल होने से पेयजल आपूर्ति बंद है, मोबाइल चार्जिंग तक मुश्किल हो गई है और ग्रामीणों के दैनिक कामकाज ठप पड़े हैं। लगातार परेशानी झेल रहे लोगों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उत्तरीपूरा नदीहा रोड स्थित सबस्टेशन के जेई निर्मल कटियार को कई बार सूचना देने के बावजूद मौके पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि विभागीय लापरवाही के कारण बिजली बहाली में अनावश्यक देरी हो रही है और अधिकारी फोन तक उठाना बंद कर चुके हैं। इधर एक्सईएन ने बताया कि टीम को मौके पर भेजने के निर्देश दे दिए गए हैं और क्षतिग्रस्त पोल बदलने व लाइन दुरुस्ती का काम शुरू करा दिया गया है। उन्होंने अश्वासन दिया कि जल्द ही प्रभावित घरों की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

ककवन पुलिस ने 19 क्वार्टर अवैध देशी शराब संग युवक को दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा अपराध व अवैध गतिविधियों के विरुद्ध संचालित अभियान के तहत ककवन पुलिस को बुधवार को सफलता मिली। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर डीसीपी पश्चिम, एडीसीपी पश्चिम तथा एसीपी बिल्हौर के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में गठित टीम ने चेकिंग के दौरान अवैध शराब की खेप पकड़ी।

पुलिस टीम ने पांडू नदी पुल के निकट ककवन-रसूलाबाद मार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान ग्राम अनी निवादा, थाना रसूलाबाद, कानपुर देहात निवासी करन सिंह उर्फ बऊआ (28) को हिरासत में लिया। तलाशी में उसके कब्जे से 19 क्वार्टर देशी शराब नाजायज बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना ककवन में आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीकृत कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा।

बिल्हौर में आज शाम सजेगी युवा शायरों की महफिल

कस्बे के खानजादा मोहल्ला में होगी नामचीन शायरों की जमावट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे के खानजादा मोहल्ला में आज शाम अदब की रोशन महफिल सजेगी। नए दीवाने प्रेज़ेंट के तत्वावधान में होने वाले इस भव्य मुशायरे को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह है। लंबे समय बाद इस स्तर का सांस्कृतिक आयोजन होने से शायराना माहौल पहले ही से गर्म हो चुका है।

युवा शायर अर्शलान और एमके बिल्हौरी ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ, युवा और नई पीढ़ी के उभरते शायर अपने-अपने कलाम पेश करेंगे। डॉ. आसिम मकनपुरी, सैय्यद तरगीब मिस्बाही, रहबर, हसनैन और हर्ब कार्यक्रम मे शिरकत करेंगे। आयोजकों ने बताया कि महफिल में ग़ज़ल, नज़्म, ताज़ा शेरो-शायरी का सिलसिला देर रात तक जारी रहने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा आयोजन न सिर्फ साहित्यिक माहौल को नया जीवन देता है बल्कि युवाओं में उर्दू अदब के प्रति रुचि भी बढ़ाता है। कार्यक्रम शाम को निर्धारित समय पर शुरू होगा और प्रवेश निःशुल्क रहेगा। आयोजकों ने सभी शौक़ीनों और अदब-प्रेमियों से समय से पहुँचने की अपील की है।

40 साल से फरार हत्या का आरोपी गोंडा से गिरफ्तार

नाम बदलकर रह रहा था, टीम को 25 हजार का इनाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर। कानपुर में फीलखाना पुलिस को 40 साल से फरार चल रहे एक हत्या के आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिली है। आरोपी इतने लंबे समय से नाम बदलकर गोंडा जिले में रह रहा था। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किया गया आरोपी प्रेम प्रकाश उर्फ पप्पू है, जो मूल रूप से बंगाली मोहाल का निवासी है। प्रेम प्रकाश एक हत्या के मामले में लगभग 40 वर्षों से फरार चल रहा था और पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था।

आरोपी ने कानून से बचने के लिए अपनी पहचान छिपा ली थी। वह अपना असली नाम प्रेम प्रकाश उर्फ पप्पू से बदलकर प्रेम कुमार नाम रखकर गोंडा जिले में रह रहा था। पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना और गहन छानबीन के आधार पर आखिरकार उसे गोंडा से गिरफ्तार कर लिया। इस बड़ी सफलता के लिए फीलखाना पुलिस टीम को 25,000 का इनाम देने की घोषणा भी की गई है।

सम्पादकीय

नीतीश को सतर्क रखेंगी गठबंधनी महत्वाकांक्षाएं

आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है। वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे।

इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट-पलट को माफ ही कर दिया। संभवत- उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दुस्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सुशासन के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेंद्र फड़नवीस को कुर्सी पर बैठा दिया।

वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है। बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएं बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है।

साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जदयू मजबूत और अक्षुण्ण बना रहे।

यह अवश्यंभावी है कि भाजपा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी उन्हें सतर्क बनाए रखेगी। भाजपा के मन में यह कसक जरूर रहेगी।

बच्चों की उम्र के मुताबिक तय हो एआई अपनाना

ज्योति मल्होत्रा

कक्षा तीन से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पढ़ाई अनिवार्य बनाना जल्दबाजी ही होगी। यह आयु बच्चों के संज्ञानात्मक, मानसिक और बौद्धिक विकास की है। स्कूलों में बालसुलभ शैक्षणिक परिवेश हो जहां अनुशासन के बीच उनमेंसरलता, जिज्ञासा व खिलंदड़पन बना रहे।...कक्षा तीन से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पढ़ाई अनिवार्य बनाना जल्दबाजी ही होगी। यह आयु बच्चों के संज्ञानात्मक, मानसिक और बौद्धिक विकास की है। स्कूलों में बालसुलभ शैक्षणिक परिवेश हो जहां अनुशासन के बीच उनमें सरलता, जिज्ञासा व खिलंदड़पन बना रहे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब यहां आ चुकी है, और ऐसा लगता है कि आपको और मुझे, आज नहीं तो कल, इससे समझौता करना ही पड़ेगा। फिर भी, यह बात मुझे परेशान करती है कि कक्षा तीन (मुश्किल से नौ साल का बच्चा) के छात्रों को भी एआई एक अनिवार्य विषय के रूप में अब सीखना पड़ेगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने फैसला लिया है कि 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से कक्षा तीन से आगे के सभी छात्रों के लिए एआई पढ़ाया जाए। इस कदम के अर्थ को गहराई से समझने के लिए, या जिसको शिक्षा मंत्रालय 'आधुनिक इतिहास में महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम सुधारों में से एक' ठहरा रहा है, इस पर, जीवन की लय, तकनीक, संस्कृति और शिक्षा शास्त्र से संबंधित दो मुद्दों पर विचार करना ज़रूरी हो जाता है। शुरुआत करते हुए, यह समझना ज़रूरी है कि इस अति-आधुनिक समय में, हम तकनीकी नवाचार के हर नए हिस्से को अंगीकार करने के लिए लगभग मजबूर हैं - और अक्सर, बिना जरा सी भी अस्पष्टता के। हालांकि, यह बाध्यता अक्सर एक प्रकार के प्रलोभन में बदल जाती है। तीन साल के बच्चों को भी स्मार्टफोन से 'खेलते' देखना कोई असामान्य बात नहीं है; और स्क्रीन की इस लत के परिणाम में उसके लिए खुले, विशाल आकाश को निहारना, किसी पेड़ को देखना, किसी पक्षी को उड़ते हुए देखकर रोमांचित होना या किसी फूल और तितली की लयबद्ध अठखेली को महसूस करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।' चूंकि हम जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तकनीक की इस घुसपैठ को सामान्य मानने लगे हैं, इसलिए कोई हैरानी नहीं कि सीबीएसई भी यह महसूस करता है कि कक्षा तीन के बच्चों को भी पीछे नहीं रहना चाहिए, और उन्हें एआई के बुनियादी अवयव 'खेल-खेल में/संवादात्मक' तरीकों से सीखने शुरू कर देने चाहिए। फिर, एआई को कौन 'न' कह सकता है, खासकर जब तकनीकी-कॉर्पोरेट वाला कुलीन वर्ग और बाज़ार-संचालित विज्ञापन तंत्र हमें इसकी 'क्रांतिकारी' क्षमता के बारे में लगातार याद दिलाते रहते हैं? और संभवत:, कई महत्वाकांक्षी माता-पिता यह भी सोचते हैं कि इस तेज़ी से बदलती दुनिया में, यदि उनके बच्चे जल्द से जल्द एआई के साथ सहज महसूस नहीं करेंगे, तो वे पिछड़ जाएंगे और डेटा विश्लेषण, रोबोटिक्स एवं डिज़ाइन नवाचार जैसे नए उभरते क्षेत्रों से कदमताल करने में असफल हो जाएंगे! हालांकि, इस तकनीकी आकर्षण के बीच, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा के क्षेत्र में एआई के उपयोग के बारे में ज़रूरी नहीं कि सब कुछ आशाजनक ही हो। प्रमुख आईआईटी और आईआईएम के प्रोफेसरों ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। हाल ही में, आईआईटी-दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंजन बनर्जी ने अपने छात्रों को याद दिलाया कि 'एआई पर अत्यधिक निर्भरता आलोचनात्मक सोच कौशल जैसे आवश्यक शिक्षण परिणामों में बाधा डाल सकती है'। इसी तरह, आईआईएम में, जैसाकि एक प्रोफेसर ने गहरी पीड़ा के साथ पाया है, कुछ छात्र एआई प्लेटफॉर्म से फील्ड स्टडी तैयार करने का अनुरोध कर रहे हैं।

कानपुर के हिंदूवादी नेता काला बच्चा सोनकर की अमर विरासत

दंगों में ढाल, समाज में शौर्य

शिवांक अग्निहोत्री -पत्रकार

काला बच्चा सोनकर एक ऐसा नाम, जो कानपुर के हिंदू समाज के दिलों में आज भी अद्भुत साहस, समर्पण और सुरक्षा का प्रतीक बनकर धड़कता है। रामकाज के लिए एक ही दिन में 76 मुकदमे दर्ज किया जाना उनकी उस निडर सोच का प्रमाण है, जिसने उन्हें 'हिंदुओं का भौकाल' बना दिया था। खटिक समाज से आने वाले मुन्ना सोनकर, जिन्हें दुनिया 'काला बच्चा' के नाम से जानती है, बिल्हौर के रहने वाले थे और दलित समुदाय के इस प्रभावशाली वर्ग का वे केवल नेतृत्व ही नहीं करते थे बल्कि पूरे हिंदू समाज में उनकी लोकप्रियता अद्वितीय थी।

भाजपा से जुड़े होने के कारण राजनीतिक पहचान भी उन्हें मिली, पर असल पहचान उनके साहस और संघर्षों से बनी।काला बच्चा सोनकर की वीरता 1992 में बाबरी ढांचे के विध्वंस के बाद उस समय उजागर हुई जब कानपुर की गलियों में दंगे भड़क उठे। बाबूपुरवा, जूही सहित मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में हिंसा फैल गई थी। 6 दिसंबर के बाद निकले एक मुस्लिम मार्च ने तनाव को और बढ़ाया और हालात भयावह हो गए। ऐसे समय में काला बच्चा एक ढाल बनकर सामने आए। उन्होंने मुसलमानों की उग्र भीड़ का डटकर मुकाबला करते हुए अनगिनत हिंदुओं की जान बचाई। उनकी यह वीरता उन्हें आम जनता की नजरों में एक हीरो बनाकर स्थापित कर गई। मुकदमे लगाए गए, बाधाएँ खड़ी की गईं, लेकिन इससे उनकी लोकप्रियता और तेज होती चली गई।

1993 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें बिल्हौर से टिकट दिया, हालांकि वे जीत नहीं सके। इसके कुछ ही महीने बाद 9 फरवरी 1994 को उनका जीवन एक दर्दनाक मोड़ पर खत्म हो गया। जब वे स्कूटर से जा रहे थे, तब कानपुर में उन पर बम से हमला किया गया।

धमाका इतना भयानक था कि रिपोर्ट्स के अनुसार उनके शरीर का केवल एक हिस्सा ही सुरक्षित बचा। बाद में उनकी अस्थियों से 40 लोहे के टुकड़े निकाले गए, जो इस हमले की क्रूरता का साफ संकेत थे। जाँच में सामने आया कि हत्या करने वाले तत्व दुबई से जुड़े थे और मुंबई से भेजे गए पैसों से पूरी साजिश रची गई थी।दुखद पहलू यह भी था कि काला बच्चा सोनकर के परिवार को उनका शव तक नहीं सौंपा गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और तड़के 4 बजे चुपके से सिंधियों के श्मशान में अंतिम संस्कार कर दिया एक ऐसा क्षण, जिसने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया और न्याय व्यवस्था पर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए।आज उनकी विरासत उनके बेटे राहुल बच्चा के हाथों राजनीतिक रूप में आगे बढ़ रही है, जो वर्तमान में बिल्हौर विधानसभा से विधायक हैं। काला बच्चा सोनकर का जीवन संघर्ष, साहस और समाज की रक्षा का ऐसा अध्याय है, जिसे वर्षों बाद भी कानपुर और बिल्हौर के लोग गर्व से याद करते हैं। उनका नाम आज भी उन लोगों के हृदय में जीवित है, जिनके लिए वे किसी प्रहरी से कम नहीं थे।

40 साल से फरार हत्यारोपी गोंडा से गिरफ्तार, फीलखाना पुलिस को मिली सफलता

» पहचान बदलकर 'प्रेम कुमार' नाम से गोंडा में रह रहा था आरोपी

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर पुलिस को लगभग 40 वर्षों से फरार चल रहे हत्यारोपी को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। फीलखाना थाना पुलिस ने आरोपी को गोंडा जिले से गिरफ्तार किया, जहां वह अपना नाम बदलकर छिपकर रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रेम प्रकाश उर्फ पप्पू, निवासी बंगाली मोहाल के रूप में हुई है। वह वर्षों पहले हुए एक हत्या मामले में पुलिस की पकड़ से दूर था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने अपनी पहचान बदलकर 'प्रेम कुमार' नाम रख लिया था और गोंडा में शांतिपूर्वक जीवन बिता रहा था, ताकि कोई उसे पहचान न सके। फीलखाना पुलिस की विशेष टीम ने लगातार गुप्त सूचनाओं, स्थानीय पड़ताल और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी की लोकेशन का पता लगाया और उसे दबोच लिया।

इस महत्वपूर्ण गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। पुलिस अब आरोपी के पुराने नेटवर्क, उसके फरारी के दौरान मिले सहयोग और पहचान बदलने की प्रक्रिया की भी जांच कर रही है।

सेंट मेरीज़ कॉन्वेंट की छात्रा लावण्या सेठ को पाक कला में प्रथम स्थान

» अंतर्विद्यालय पाककला प्रतियोगिता द बैटल ऑफ़ द पैन्स - 2025 में पाया पुरस्कार

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। सेंट मेरीज़ कॉन्वेंट हाई स्कूल कैंट की प्रतिभाशाली छात्रा लावण्या सेठ ने अंतर्विद्यालय पाककला प्रतियोगिता द बैटल ऑफ़ द पैन्स - 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में अपनी उत्कृष्ट पाककला कौशल के आधार पर लावण्या ने कई प्रतिभाशाली प्रतिभागियों के बीच विशिष्ट पहचान बनाई।

इस आयोजन के लिए विद्यालय आयोजकों ज़ेबा ख़ान और गो अब्रॉड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने छात्राओं को ऐसा समृद्ध मंच प्रदान किया, जिसने उनके भविष्य को नई दिशा दी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लावण्या को विजेता ट्रॉफी, प्रमाण पत्र तथा 1,00,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने छात्रा के माता-पिता के निरंतर प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, जिसकी बदौलत यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर प्रभा ने पुरस्कार प्रदान कर छात्रा को सम्मानित किया।

लावण्या की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय ने उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

भूसाटोली बर्तन बाजार

दुकानदारों की मनमानी से सड़क पर हर वक्त जाम

क्षेत्रीय लोगों को भी निकलना हो जाता है मुश्किल, पुलिस नहीं देती ध्यान

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। भूसाटोली बर्तन बाजार की गलियां दुकानदारों की मनमानी का शिकार बनी हुई हैं। स्थिति यह है कि बाजार में दुकानों के बाहर ही बड़े वाहनों को खड़ा कर माल की लोडिंग-अनलोडिंग कराई जा रही है। सड़क पर फैले माल के बोरे और अवैध कब्जों ने रास्ते को इतना संकरा कर दिया है कि क्षेत्रीय निवासी, महिला यात्री, बच्चे और बुजुर्गों का निकलना भी मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकानदारों ने सड़क को निजी गोदाम समझ लिया है। कोई टोका-टाकी करे तो उल्टा बहस और विवाद सुनने को मिलता है। बाजार के अंदर रोजाना जाम की स्थिति बनती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों और ऑफिस जाने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।नागरिकों का सवाल है कि जब पूरे शहर में अवैध कब्जों पर कार्रवाई हो रही है, तो भूसाटोली बर्तन बाजार में यह कार्रवाई कब होगी। लोगों की मांग है कि सड़क से अतिक्रमण हटाकर बाजार को सुचारू रूप से चलाया जाए, ताकि रोजमर्रा की परेशानी से उन्हें छुटकारा मिल सके।

सीएचसी रसूलाबाद में वसूली का मामला गरमाया, डॉक्टर का तबादला

तबादले पर आशाओं और कुछ कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। हाल ही में जनपद कानपुर देहात के रसूलाबाद में स्थित महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें कुछ सीएचओ ने आरोप लगाया था कि अस्पताल में तैनात कर्मचारी मोहित सारस्वत उनसे 2 हजार रुपये की वसूली करते हैं। जिसके बाद मामला गर्मा गया और तूल पकड़ गया।

हालांकि स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। लेकिन जब शिकायत हुई और वीडियो वायरल हुआ तो जनपद से आये चिकित्सा अधिकारियों ने जांच पड़ताल की और अगले ही दिन डॉ अमित कुमार का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हवासपुर में चिकित्सा अधीक्षक के पद पर तबादला हो गया जबकि रसूलाबाद डॉ. दीपक कुमार गुप्ता को तैनाती दी गई जो वर्तमान में झींझक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात हैं। इसके बाद दोनों ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इस बात को लेकर विरोध होने लगा कि उनके चिकित्सा अधीक्षकों को वापस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में तैनाती दे दी जाए। धरना प्रदर्शन करने वालों में आशाएं और कुछ कर्मचारी शामिल थे। रसूलाबाद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. आशीष बाजपेयी, डॉ आदित्य सचान ने पहुंचकर आशाओं की बात को सुना और कुछ बयान भी दर्ज किए। उनके समझाने पर आशाओं ने अपना धरना प्रदर्शन खत्म किया और बंद लिफाफे में बयान दर्ज करके डिप्टी सीएमओ जिला मुख्यालय के लिए रवाना हुए और रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपी। उक्त तबादले को लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चाएं तेज हैं। चर्चाएं यहां तक है कि कई जनप्रतिनिधियों की इन तबादलों में साख भी लगी हुई है। पदभार ग्रहण करेंगे या उनका तबादला रुक जाएगा। सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हुई हैं।

क्या बोले डिप्टी सीएमओ

वहीं डिप्टी सीएमओ डॉ. आशीष कुमार बाजपेयी ने बताया कि आशाओं से बात की और जो पूर्व में शिकायतकर्ता थे। उनके बयान लिए हैं। उक्त मामले में जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराया जाएगा।

बड़े देव बाबा मंदिर में लगे मेले में उमड़ा भक्तों का सैलाब

» हर साल अगहन के अमावस्या को लगता है विशाल मेला

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत सेंगुर नदी किनारे स्थित बिरसिंहपुर,गांव के समीप बड़े देव बाबा मंदिर परिसर में गुरुवार को आयोजित एक दिवसीय विशाल मेले में बड़ी संख्या में लोगों की भींड उमड़ी। श्रद्धालुओं ने पहले सेंगुर नदी में स्नान किया इसके बाद मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत महंत महाराज रामपुरी नागा,संत राम शंकर बाबा का आशीर्वाद लिया।

बता दें कि यह मेला प्रति वर्ष अगहन के अमावस्या को लगता है और भक्तों को अपनी मन्नत पूरी करने के लिए मंदिर में आने का अवसर देता है। वहीं ये मेला प्राचीन बताया जाता है। दूरदराज के इलाकों से लोग इस मेले में शामिल होने के लिए आते हैं। तत्पश्चात गुजराई,भवानीपुर, जसौरा धौकलपुर ,मलासा, बिरसिंहपुर, लालपुर, लेवामऊ समेत दर्जनों गांवों के महिलाओं,पुरुषों,युवतियों,बच्चों ने मेले में पहुंचकर मेले का लुफ्त उठाया। मेले में महिलाओं व पुरुषों ने गृहस्थी से जुड़ी खरीददारी की। वहीं सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर युवतियों की भारी भींड दिखाई दी। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के झूलों व खाने पीने की वस्तुओं का लुफ्त उठाया। वहीं इस दौरान विकास खण्ड मलासा के निर्विरोध बीडीसी सदस्य लेवामऊ सल्लू सिंह पहलवान ने बड़े देव बाबा मंदिर मेले में पहुंचकर बड़े देव बाबा के दर्शन किए तथा संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मेले में दूरदराज के गांवों से हजारों की संख्या में लोग मेला देखने आते हैं।

मेले के दौरान विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में भक्त प्रसाद ग्रहण करते दिखे। मेले में सुरक्षा के लिए गजनेर पुलिसऔर प्रशासन मौजूद रहा। इस मौके पर संत खुशीलाल,,बलराम सिंह, दीपू सिंह, झल्लर सिंह, युवा नेता विकास सिंह, नेत्रपाल सिंह परिहार,रवि सिंह मलासा,रानू सिंह,बीनू अतुल सिंह समेत हजारों की संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक के भतीजे के घर चोरों का धावा, नकदी, 10 लाख के आभूषण पार

» आहट सुनते ही जागी गृहस्वामिनी, चीखने पर छत कूदकर फरार हो गए चोर

»लगातार हो रहीं चोरियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल, पुलिस अब तक नाकाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। ग्राम पंचायत कौसम में बुधवार देर रात अज्ञात चोरों ने पूर्व विधायक के भतीजे हरिशंकर सिंह चौहान के आवास को निशाना बना डाला। चोरी की वारदात उस समय अंजाम दी गई जब परिवार के सदस्य गहरी नींद में थे। आहट सुनते ही गृहस्वामिनी की नींद खुल गई, जिसके बाद उनके शोर मचाने पर चोर मौके से छत के रास्ते फरार हो गए।

पीड़ित परिवार के अनुसार, चोर घर से नकदी समेत लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के सोने–चाँदी के जेवरात ले उड़े। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए पिछली दीवार काटकर घर में प्रवेश किया। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के कार्यकाल में हरदोई से विधायक रहे गंगा सिंह चौहान का पैतृक घर भी इसी कस्बे में है, हालांकि वे परिवार संग हरदोई में रहते हैं। उनके भतीजे हरिशंकर सिंह चौहान अपने परिवार के साथ गांव में निवास करते हैं। घटना के समय हरिशंकर ड्यूटी पर थे, वहीं उनकी पत्नी शकुंतला, बेटी प्राची और पुत्र वेदांश घर के भीतरी कमरे में सो रहे थे। देर रात जैसे ही शकुंतला की नींद टूटी, उन्होंने संदिग्ध गतिविधि देखकर शोर मचा दिया। घबराए चोर तत्काल छत पर कूदकर अंधेरे में गायब हो गए। चोरों ने आलमारी और बक्सों के ताले तोडक़र कीमती आभूषण व करीब 10 हज़ार रुपये नकद चोरी कर लिए।

तीन दिन पूर्व भी हुई थी चोरी

कौसम के सौरभ सिंह ने बताया कि 17 नवंबर की रात उनके घर में भी चोरी हुई थी। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन तब रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि अगर पुलिस उस समय सक्रियता दिखाती, तो पूर्व विधायक के भतीजे के घर चोरी न होती।

लगातार बढ़ रही चोरी की घटना

क्षेत्र में पिछले कई महीनों से चोरी की एक के बाद एक वारदातें घटित हो रही हैं, किन्तु पुलिस अब तक अपराधियों की परछाईं तक नहीं पहुँच सकी है। स्थानीय लोगों ने नए थाना प्रभारी से उम्मीद की थी कि उनके आने से कानून–व्यवस्था में चुस्ती आएगी और चोरी की घटनाओं पर कठोर प्रहार होगा, मगर हालात नहीं बदले। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस पिछले मामलों पर गंभीरता से जांच करती, तो अपराधियों के हौसले न बढ़ते। इस बाबत थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही घटना का खुलासा किए जाने का दावा पुलिस ने किया है।

हाईवे पर अतिक्रमण कराने वाले ढाबा संचालकों को पुलिस का नोटिस

एसपी के निर्देश पर रात भर चला अभियान, 96 ढाबा संचालकों को नोटिस दी गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात। कोहरे की धुंध का फायदा उठाने वाले वाहन चालकों और हाईवे पर अतिक्रमण कराने वाले ढाबा मालिकों की अब खैर नहीं। सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए कानपुर देहात पुलिस ने बीती रात एक विशेष अभियान छेड़कर सड़क सुरक्षा के नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों को कड़ा संदेश दिया है। एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देश और एएसपी राजेश पाण्डेय की निगरानी में जिले भर के क्षेत्राधिकारियों ने सड़कों पर उतरकर सघन चेकिंग अभियान चलाया। 20 और 21 नवंबर की दरम्यानी रात चले इस ऑपरेशन ने नियमों का उल्लंघन करने वालों में हड़कंप मचा दिया।

ढाबों पर चेकिंग करते पुलिस अधिकारी

बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर सीधी कार्रवाई पुलिस का यह 'स्पेशल ड्राइव' खास तौर पर उन वाहनों के खिलाफ था जो बिना नंबर प्लेट के यमदूत बनकर सड़कों पर दौड़ रहे थे। पुलिस का मानना है कि नंबर प्लेट न होने से चालक बेखौफ होकर गाड़ी चलाते हैं और हादसे के बाद आसानी से फरार हो जाते हैं,

जिससे पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल हो जाता है। इसी मनमानी को तोड़ने के लिए पुलिस ने त्रुटिपूर्ण और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की। अवैध पार्किंग कराने वाले ढाबा मालिकों पर गिरी गाज सिर्फ वाहन चालक ही नहीं, बल्कि हाईवे को पार्किंग जोन बनाने वाले होटल और ढाबा संचालक भी पुलिस के रडार पर आ गए। पुलिस ने पाया कि कई ढाबों के बाहर ट्रक और भारी वाहन अवैध रूप से खड़े रहते हैं। जिससे कोहरे में भीषण हादसे होते हैं और जाम लगता है। ऐसे 96 होटल और ढाबा संचालकों को पुलिस ने बीएनएसएस (B.NSS) की धारा-168 के तहत नोटिस थमा दिया है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि सड़क सुरक्षा से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से साफ है कि आने वाले दिनों में कोहरे के दौरान सुरक्षा को लेकर प्रशासन कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

पुलिसिया कार्यवाही- एक नजर में

17 वाहनों का चालान काटा गया
02 गाडियां मौके पर सीज की गईं
96 ढाबा मालिकों को नोटिस जारी

रोक के बावजूद जलाई जा रही पराली, बढ़ रहा प्रदूषण

» किसानों को नोटिस के बावजूद नहीं रुक रहा पराली जलाना

इस तरह जलाई जा रही पराली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। किसानों को पराली प्रबंधन के कई उपाय बताए गए हैं। यहां तक की यह भी बताया गया कि पराली को कैसे खाद के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है। बावजूद इसके खेतों में देर शाम को पराली जलाई जा रही है। जिसके चलते शाम को ग्रामीण क्षेत्रों में धुआं के चलते धुंध उठ रही है । जिससे लोगों को सांस लेने भी तकलीफ हो रही है ।रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत अससालतगंज, बारापुर, तिश्ती क्षेत्र में इन दिनों खुलेआम देर शाम को पराली जलाई जा रही है। जिसे जहां एक ओर प्रदूषण बढ़ रहा है,वहीं आग का खतरा भी बढ़ जाता है।

जिम्मेदारों को इसलिए क्षेत्र में तैनाती दी गई कि वह किसानों को बताएं कि पराली जलाना वायुमंडल के लिए हानिकारक है। इसके साथ ही आम जनमानस को सांस लेने में भी घुटन होता है तो पराली न जलाएं। बावजूद इसके जिम्मेदार किसानों को समझाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। आलम यह है कि देर शाम को अब मुख्य मार्गो से निकलना अब मुश्किल हो रहा है।

क्या बोलेउप जिलाधिकारी.

उपजिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि कुछ मामले प्रकाश में आए हैं। इसके अलावा कई किसानों को नोटिस भी भेजी गई है। जल्द ही जिन क्षेत्रों में पराली जलाई जा रही है वहां संबंधित लेखपालों को भेजकर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आकर महिला की दर्दनाक मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मलासा स्टेशन के पास गुरुवार शाम ट्रेन की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है। मृतका की पहचान गजनेर थाना क्षेत्र के भवानीपुरवा निवासी हिम्मत सिंह की 25 वर्षीय पत्नी नौरीन के रूप में हुई है।

नौरीन की गुरुवार शाम मलासा स्टेशन के खंबा नंबर 1302/21 के मध्य किसी ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई ।स्टेशन मास्टर ने घटना की सूचना पुलिस को दी ।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की ।हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि प्राथमिक छानबीन में ट्रेन से कटकर महिला की मौत की बात सामने आई है ।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

50 गज जमीन के लालच में साध्वी की हत्या का खुलासा

जमीन हड़पने की साजिश में गला घोंटकर हत्या, सबूत मिटाने को शव जलाया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा-वृंदावन में साध्वी की हत्या की 11 महीने पुरानी गुत्थी आखिरकार सुलझ गई है। गोशाला नगर में मात्र 50 गज जमीन के लालच में 70 वर्षीय साध्वी चंद्र मुखी देवी उर्फ चित्रा दासी की बेरहमी से गला घोंटकर हत्या की गई और सबूत मिटाने के लिए उनके शव को जला दिया गया। मथुरा पुलिस ने इस जघन्य अपराध का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी अभिषेक सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक बिहार निवासी साध्वी चित्रा दासी पिछले 35 वर्षों से वृंदावन में रहकर भजन और परिक्रमा में जीवन समर्पित किए हुए थीं। वह 21 दिसंबर 2024 को अचानक लापता हो गई थीं। उनके गुरुभाई संत लाड़ली दास ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन शुरुआती जांच में पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा।संत समाज के बढ़ते दबाव के बाद एसएसपी ने मामले की जांच सीओ सिटी आशना चौधरी को सौंपी। नई टीम ने मात्र 20 दिन की जांच में पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पहले साध्वी की जमीन पर कब्जा करने की योजना बनाई, विरोध करने पर उनकी हत्या की गई और पहचान छुपाने के लिए शव को जला दिया गया।

पुलिस ने छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें जेल भेज दिया गया है।

साथ ही, जमीन कब्जाने की साजिश से जुड़े और लोगों की भूमिका की जांच भी जारी है।

मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए राजनीतिक दल बीएलए को करें सक्रिय

» जिलाधिकारी कपिल सिंह ने बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) को लेकर मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में बैठक की गई। जिसमें प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार, एडीएम प्रशासन, एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम न्यायिक, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे। सपा, भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भाकपा के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कहा कि मतदाता सूची की सटीकता लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण नींव है। पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने, दोहराव हटाने और अपात्र प्रविष्टियों को समाप्त करने से चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनती है।

उन्होंने इस प्रक्रिया में बीएलए की महत्तवपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए बताया कि राजनीतिक दल अपने बीएलए को सक्रिय करें और उन्हें बूथ स्तर पर बीएलओ के साथ समन्वय में लगाएँ, ताकि त्रुटियों की पहचान और दावे–आपत्तियाँ समय पर निपटाई जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि ईआरओ–एईआरओ को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि बीएलओ घर–घर सत्यापन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखें।अंत में जिलाधिकारी ने सभी दलों से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सहयोग की अपील की, ताकि जनपद की मतदाता सूची को सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित रूप में तैयार किया जा सके।

दलाल राज के ताबूत में ठोंकी जा रही आखिरी कील

सुल्तानपुर बिजली विभाग में ईमानदारी का नया पहरुआ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या मंडल के सुल्तानपुर में बिजली विभाग का भ्रष्टाचार कोई नई कहानी नहीं। वर्षों से यहाँ टेबल बिलिंग नाम का एक ऐसा रैकेट फलता-फूलता रहा, जिसमें विभागीय मिलीभगत और स्थानीय दलालों की साझेदारी से करोड़ों का राजस्व फूँक दिया गया। उपभोक्ता लाइन में नहीं दलालों की जेब में खड़े रहते थे। बिल कैसे ठीक होगा, कितना घटेगा यह सब तय होता था टेबल के नीचे।

लेकिन कहानी अब बदलती दिखाई दे रही है। इसकी वजह बने एक ईमानदार कर्मचारी पंकज कुमार सेठ। जैसे ही केएनआई व टाउन उपखंड में पंकज कुमार ने कार्यभार संभाला, पुरानी बिलिंग व्यवस्था की जमीन खिसक गई। उन्होंने दो काम किए टेबल बिलिंग पर सीधा प्रहार और उपभोक्ताओं का काम सीधे अपने हाथ से शुरू कर दिया। बस वर्षों से उपखंडों को अपनी जागीर समझने वाले दलालों के पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई।

जहाँ पहले उपभोक्ता किसी मध्यस्थ के बिना

» कार्यकारी सहायक पंकज कुमार सेठ ने टेबल-बिलिंग माफिया की कमर तोड़ी, दलाल तंत्र ने शुरू की बदनाम करने की साजिश

बिल तक नहीं दिखा सकते थे, वहीं अब सीधे काउंटर पर समाधान मिलने लगा। दलालों का धंधा ऐसे ठप हुआ जैसे बिजली किसी ट्रांसफॉर्मर को ओवरलोड में छोड़ दे।

सूत्रों के अनुसार, जब दलाली तंत्र की दुकान बंद होने लगी तो कुछ तथाकथित नेताओं और बिचौलियों की बेचैनी बढ़ गई। उनके लिए यह ईमानदारी नहीं सीधा नुकसान था।

और फिर वही हुआ, जो होता है जिस सिस्टम को साफ किया जा रहा था, उसी सफाई करने वाले पर कीचड़ उछाला गया। कार्यकारी सहायक को बदनाम करने की योजना बनी, झूठे आरोप तैयार हुए, और दलाल गैंग ने मिलकर ईमानदारी को अपराध साबित करने की कोशिश शुरू कर दी।

उपखंड कार्यालयों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज ने वह सच दिखाया, जिसे वर्षों से विभाग नजरअंदाज़ करता रहा दलालों की एक पूरी फौज कार्यालयों के बाहर मंडराती दिखाई दी। उन्हें डर था कि अब उपभोक्ता उनके पास नहीं आएंगे। क्योंकि पंकज कुमार सेठ ने सिस्टम का दलाल-डिटर्जेंट बनकर विभाग की साख को धोना शुरू कर दिया था। सुल्तानपुर बिजली विभाग में वर्षों बाद पहली बार किसी ने टेबल बिलिंग माफिया की कमर तोड़ने का साहस किया। और आज वही साहस ईमानदार कर्मचारी को साजिशों के निशाने पर ला खड़ा कर रहा है। लेकिन एक बात साफ है जहाँ विभाग में पंकज जैसे ईमानदार कर्मचारी होंगे, वहाँ दलाल चाहे जितनी साजिश कर लें, सिस्टम की सफाई को रोका नहीं जा सकता। इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ विभागीय अधिकारी भी ईमानदार कर्मचारी का पक्ष न लेकर भ्रामक सूचना देने वाले कथित दलालों के बगलगीर नजर आते है। जिससे किसी भी ईमानदार कर्मचारी का मनोबल गिरता है।

बिहार से बीजेपी को मिला नया राष्ट्रीय 'एम-वाई' मॉडल !

बिहार में मिला महिला + युवा (एम-वाई 2.0) फॉर्मूला बीजेपी के लिए यूपी और बंगाल में नया रास्ता खोल सकता है

» राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बजट, बूथ मैनेजमेंट और योजनाओं की जमीनी डिलीवरी सही ढंग से काम कर गई, तो आने वाले चुनावों में बीजेपी को बड़ी बढ़त मिल सकती है।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना/नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार राजनीति के परंपरागत समीकरणों को पलटकर रख दिया है। नीतीश कुमार को लगातार दसवीं बार मुख्यमंत्री का ताज पहनाने वाली एनडीए की 202 सीटों की ऐतिहासिक जीत में सबसे बड़ा रोल महिलाओं और युवाओं की नई राजनीतिक चेतना का रहा। बीजेपी अब इसी मॉडल को उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में परखने की तैयारी में है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में कुल 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 1951 के बाद सबसे अधिक है। लेकिन असली कहानी महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी में दिखी–

महिलाएं- 71.78प्रतिशत

पुरुष- 62.98प्रतिशत। यह नौ प्रतिशत से अधिक का अंतर ही इस चुनाव का निर्णायक मोड़ साबित हुआ।

नीतीश सरकार की महिला स्वरोजगार योजना के तहत डेढ़ करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की किस्त का सीधा फायदा एनडीए को मिला। वोटिंग बूथों के बाहर लंबी कतारों में पहली बार महिला मतदाताओं का दबदबा साफ दिखा। नतीजों में भी यह असर दिखाई दिया। महागठबंधन महज 35 सीटों पर सिमट गया, जबकि बीजेपी 89 और जेडीयू 85 सीटों के साथ सत्ता में लौटे।

युवा मतदाताओं में भी एनडीए को बढ़त

मिली। दरभंगा की अलीनगर सीट पर बीजेपी प्रत्याशी और लोकगायिका मैथिली ठाकुर (25 वर्ष) की 11,730 वोटों से जीत को विशेषज्ञ युवा ऊर्जा का प्रतीक मान रहे हैं। राज्य में कुल 88 महिला उम्मीदवारों में से 28 विजयी रहीं,

जिनमें बीजेपी की 13 में से 10 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

बिहार में मिला महिला + युवा (एम-वाई 2.0) फॉर्मूला बीजेपी के लिए यूपी और बंगाल में नया रास्ता खोल सकता है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बजट, बूथ मैनेजमेंट और योजनाओं की जमीनी डिलीवरी सही ढंग से काम कर गई, तो आने वाले चुनावों में बीजेपी को बड़ी बढ़त मिल सकती है।

अब यूपी में 'वाई' यानी Women-Youth मॉडल की बारी

यूपी की राजनीति में बीजेपी बिहार फार्मूला लागू करने के मूड में दिख रही है। योगी सरकार का साढ़े आठ साल का कार्यकाल कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर मजबूत माना जाता है। फरवरी 2025 में पेश हुआ 8.08 लाख करोड़ रुपये का बजट भी इसी दिशा में इशारा करता है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना ₹ 225 करोड़, निराश्रित महिला पेंशन योजना ₹ 2,980 करोड़, मेधावी छात्राओं को स्कूटी योजना जैसी योजनाएँ सीधे तौर पर युवाओं और महिलाओं को साधने की रणनीति मानी जा रही हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद इंडक्शन हुई 60 हजार पारदर्शी पुलिस भर्तियाँ भी बीजेपी के युवा वोट बैंक को मजबूत कर सकती हैं।

सपा की पीडीए पॉलिटिक्स बनाम बीजेपी का नया समीकरण

अखिलेश यादव पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक–के जरिए अपनी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में इसकी झलक मिली, लेकिन उपचुनावों में यह समीकरण कमजोर पड़ा। विश्लेषकों का मानना है कि यदि बीजेपी महिलाओं और युवाओं के बीच बिहार जैसा असर पैदा करने में सफल रही, तो यूपी में जातीय राजनीति की धार कम हो सकती है।

बिहार में यादव वोटों का बिखराव एनडीए को फायदा पहुंचाने वाला रहा। यूपी में भी अगर ऐसा हुआ, तो बीजेपी को अतिरिक्त सपोर्ट मिल सकता है।

योगी सरकार की महिला सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति भाजपा के पक्ष में सकारात्मक माहौल बना रही है। पिछले दो वर्षों में महिला अपराधों के सैकड़ों मामलों में त्वरित कार्रवाई भाजपा के लिए बड़े चुनावी हथियार के रूप में उभर सकती है।

बंगाल में चुनौती कठिन, लेकिन मॉडल परखी जाएगी

पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी 'महिला युवा' मॉडल उतारने की तैयारी कर रही है, हालांकि ममता बनर्जी की लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाएँ वहां बड़ा अवरोध मानी जा रही हैं। बंगाल में मुकाबला सीधे भावनात्मक और पहचान की राजनीति से होगा।

बरेली में सुहागिनों ने ली विधवा पेंशन... अब पुलिस करेगी कार्रवाई डीएम ने एसएसपी को सौंपी रिपोर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली । बरेली के आंवला तहसील क्षेत्र में विधवा पेंशन योजना में हुए घोटाले की जांच रिपोर्ट डीएम ने एसएसपी को भेज दी है। उन्होंने पुलिस से ही एसआईटी गठित कर मामले की विस्तृत जांच कर कार्रवाई के लिए कहा है। पांच महीने तक जांच करने के बाद एसडीएम ने पिछले सप्ताह रिपोर्ट डीएम को भेजी थी। डीएम ने इसमें कई तथ्य अधूरे मानते हुए पुलिस से जांच कराने का फैसला किया है।

चार नवंबर को पुलिस ने 56 सुहागिनों के विधवा पेंशन और दो अपात्रों के वृद्धावस्था पेंशन लेने का खुलासा किया था। इनके खातों में पेंशन की विभिन्न किस्तों के रूप में 1.23 करोड़ रुपये विभाग के स्तर से भेजने की बात भी पुष्ट हुई। इसमें पुलिस ने चार बिचौलियों को गिरफ्तार भी किया था। इसके बाद जिला प्रशासन भी हरकत में आया और मई से एसडीएम आंवला के पास लंबित जांच रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। पिछले सप्ताह एसडीएम विदुषी सिंह ने डीएम को जांच रिपोर्ट दी। अब डीएम ने विस्तृत जांच के लिए रिपोर्ट एसएसपी को भेजी है। एसडीएम के मुताबिक, उन्हें सत्यापनकर्ताओं के नाम पता नहीं चल सके हैं। इसके लिए उन्होंने बीडीओ और जिला प्रोबेशन अधिकारी से पत्राचार भी किया, लेकिन उनकी तरफ से कोई सहयोग नहीं मिला। हालांकि, जिन बिचौलियों ने सुहागिनों के पति के नाम का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाया, उनके नाम उन्हें मिले हैं। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट एसएसपी को भेजकर एसआईटी गठित कर विस्तृत जांच के लिए कहा है।

खनन सिंडीकेट ने सरयू नदी की धारा का बदल दिया बहाव

पट्टे की आड़ में चल रहा करोड़ों का रेत साम्राज्य,

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या का सोहावल तहसील में खनन सिंडीकेट ने खनन पट्टे की आड़ में सरयू की अविरल धारा को ही रोक खदान बना दिया। इसका परिणाम यह हो रहा है कि नदी का बहाव मार्ग बदल गया है। जिससे जलीव जीवों की जिंदगी भी खतरे में आ गई है। इस संबंध में खनन विभाग में शिकायत के बाद भी अभी कोई कठोर क्षन नहीं लिया गया है। जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

इस संबंध में प्रार्थी प्रवीण कुमार दूबे की ओर से जिला खनन अधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप है कि मार्च 2025 से 2030 तक के लिए मिला पट्टा फत्तेहपुर सरैया की ज़मीन का है, लेकिन रियलिटी यह है कि खनन सिण्डीकेट राकेश जायसवाल, सरोज जायसवाल और उनके संरक्षक संतोष कुमार पट्टे की आड़ में सरयू नदी के बीच में पोकलैंड मशीनें उतारकर खनन कर रहे हैं। पट्टा कागज पर है, पर खनन नदी से हो रहा है। धारा रोकी, बांध बनाया, अस्थायी पुल

» सोहावल में खनन सिंडीकेट ने नदी की धारा रोक कर पुल खड़ा किया

» सरकारी विभागों की चुप्पी से अवैध खनन करने वालों के हौसले बुलंद

» एनजीटी नियम कूड़ेदान में, नदी का बहाव बदलने से जलीय जीव संकट में

खड़ा कर दिया है। गाटा संख्या 13 घ का न सीमांकन हुआ, न बैरिकेटिंग लगाई गई। जिसका पूरा फायदा खनन सिंडीकेट उठा रहा है। लोगों का आरोप है कि खनन विभाग ने जैसे आंखों पर पट्टी बांध ली, नतीजा सिण्डीकेट ने नदी की दिशा तक बदल दी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सभी नियमों को नजरअंदाज करके नदी का बहाव रोका गया। अस्थायी पुल बनाकर माफिया ने नदी को दो हिस्सों में बांट दिया। यह सिर्फ अवैध नहीं एक प्राकृतिक अपराध है।

शिकायतें दर्ज, वीडियोइफोटो भेजे, पर कार्रवाई जीरो प्रार्थी ने 7 नवंबर को खुद जाकर शिकायत दी,वीडियो, फोटो भेजे, अस्थायी पुल तोडऩे की मांग की। पर खनन विभाग और तहसील प्रशासन ने जांच करवाई जाएगी कहकर शिकायत को टाल दिया। ।

बता दें कि इसी सिण्डीकेट ने 2020 में मांझाकला में भी यही खेल खेला था। उस वक्त भी प्रशासन चुप था, पर हाईकोर्ट की फटकार के बाद कार्रवाई हुई। इतिहास खुद को दोहरा रहा है—अधिकारियों की चुप्पी वही, माफिया के हौसले और बड़े। सोहावल में स्थिति यह है कि एक तरफ प्रशासन धार्मिक आयोजनों में सरयू की पवित्रता की दुहाई देता है, और दूसरी तरफ खनन सिण्डीकेट नदी की नस-नस चीर कर रेत निकाल रहा है।

अयोध्या में बढ़ा आध्यात्मिक उत्साह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ध्वजारोहण से पूर्व राम मंदिर की नई भव्य तस्वीरें जारी

अयोध्या।राम मंदिर ट्रस्ट ने 20 नवंबर की देर रात श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की नई और अत्यंत भव्य तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों ने 25 नवंबर को होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों को दिखा दिया है। स्वच्छ, सुव्यवस्थित परिसर और चारों ओर उभरती हरियाली ने मंदिर की शोभा पहले से कहीं अधिक बढ़ा दी गई है।

तस्वीरें सामने आने के बाद अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों में भक्तों का उत्साह चरम पर है।

मोहबरा पुल से गुजरने वाले लोग अब दूर से ही राम मंदिर के दिव्य दर्शन कर आनंदित हो रहे हैं। शिक्षाविद् रवि यादव कहते हैं मंदिर की भव्यता अब दूर से ही मन मोह लेती है। हम कुछ पल ठहरकर मंदिर को निहारते हैं और अयोध्या वासी होने पर गर्व महसूस होता है। उधर, सरयू तट से निकली कलश यात्रा जब मंदिर परिसर

पहुंची, तो ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने सपत्नीक प्रायश्चित पूजन किया। कलशों को विधिपूर्वक यज्ञमंडप में स्थापित किया गया है। ध्वजारोहण अनुष्ठान की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं और पूरा अयोध्या राममय उत्सव में डूबने को तैयार है।

अखिलेश यादव का बड़ा हमला, अधिकारियों को चेताया

भाजपा कारोबारियों को डरा रही, इनकी नजर दालमंडी पर

कहा- चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रहे

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अखिलेश यादव ने लखनऊ में भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लोग खुलकर कारोबार नहीं कर पा रहे हैं। इनकी नीति है कि लोगों को इतना डरा दो कि वो अपनी बात न कह सकें। क्या ये कोई सरकार करती है। अरे, सबको अपनी बात कहने का हक है।

सरकार की नजर अब दालमंडी पर है। एक दुकान बनाने में जमाने लग जाते हैं ये लोग पल भर में इसे तोड़ना चाहते हैं। भाजपा की बहुत संकीर्ण सोच हैं। ये साजिश कर रही है। ये चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। इनती सोच बहुत नकरात्मक है। किसी की जीविका छीनने का इनको अधिकारी कैसे मिल गया। ये लोग अधिकारियों के जरिए दबाव बनाते हैं।

सरकार के फैसले की वजह से व्यापारियों पर संकट आया

अखिलेश यादव ने कहा, दौली के सांसद और दाल मंडी के व्यापारी आए हैं। सरकार के फैसले की वजह से व्यापारियों पर संकट आया है। ये पॉलिटिकल डिमोलिशन है। क्योंकि वो वहां से चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। बीजेपी ने वाराणसी को क्योटो बनाने का दावा किया था। लोगों को परेशान कैसे किया जाए। इस पर काम हो रहा है। पॉलिटिकल प्रोजेक्ट के लिए डिवाइड एंड रूल की नीति अपना रही है।

सरकार को ऐसे शहरों का दौरा करना चाहिए। दाल मंडी वाले दुकानदारों को दरें नहीं। दुकान तो दे देंगे, ग्राहक कहां से देंगे। बीजेपी की सोच संकीर्ण है, वो चौड़ीकरण कैसे कर रहे हैं। ये नकारात्मक सोच वाले हैं। बीजेपी अधिकारियों के माध्यम से डरना, धमकाना चाहते हैं। मॉल बेच दिया। ये बेचने वाले लोग हैं। वरुणा का रिवरफ्रंट रोक दिया। आज मेट्रो जितनी चल रही हैं, वो सपा की देन है। वाराणसी की मेट्रो का डीपीआर हमने तैयार किया था। वाराणसी के मेट्रो को बीजेपी ने रोका है।

अकबरनगर लखनऊ में डिमोलिशन कर दिया। अपनी जगह के लिए मनचाहा मुआवजा लिया। कई साल आगे या कई हजार साल पीछे की बात करते है। वो समय आएगा, जब अधिकारियों से वसूला जाएगा। जनता को दुख देंगे, तो चुनाव हारेंगे। नाले पर रिवरफ्रंट बना रहे हैं। दालमंडी में नहीं जीतती है, इसलिए डिमोलिशन किया जा रहा है। सरकार जाने वाली है। मेरठ के व्यापारियों को बीजेपी ने रिटर्न गिफ्ट दिया है। सपा इनको हराने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2024 में चुनाव आयोग भी उनके साथ था। अयोध्या की जनता ने बीजेपी को हराया। अब तक की सबसे करप्ट सरकार है। सिरप वाले सब पकड़े जाएंगे।

कानून-व्यवस्था बर्बाद हुई

इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून-व्यवस्था बर्बाद हो गई है। अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं। लूट और अपहरण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। भाजपा राज में न व्यापारी सुरक्षित है और न बेटियां। सरकार के पास भाषणों की तुकबंदी और खोखले दावों के अलावा कुछ नहीं है।

मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक कानून-व्यवस्था को लेकर झूठे दावे करते हैं, हालांकि जमीनी सच्चाई भाजपा सरकार की पोल खोल रही है। एटा के सकीट थाना क्षेत्र में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। प्रयागराज में जार्जटाउन थाने के पास फतेहपुर में तैनात सूचना विभाग के उपनिदेशक का शव मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूरी व्यवस्था ध्वस्त कर प्रदेश को अराजकता के रास्ते पर धकेल दिया है।

लखनऊ में एसडीएम के घर चोरी करने वाले तीन अरेस्ट, लाखों के जेवर हुए बरामद

पुलिस को लगभग एक महीने बाद मिली सफलता

» पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जांच।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव क्षेत्र में 24 अक्टूबर 2025 की रात को हुई चोरी की घटना का करीब एक महीन बाद राजफाश किया है। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में फतेहपुर की एसडीएम के घर चोरी के मामले में तीन चोरों को गिरफ्तार करने के साथ पुलिस ने लाखों के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस को अभी दो लोगों की तलाश है।

सीतापुर रोड की साई विहार कालोनी में फतेहपुर में तैनात एसडीएम अनामिका श्रीवास्तव के बंद मकान में हुई चोरी का मड़ियांव पुलिस ने राजफाश किया है। पांच आरोपितों ने रेकी करने के बाद मकान में चोरी की थी। मड़ियांव पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी में इस्तेमाल कार और बड़ी मात्रा में चोरी का सामान भी बरामद हुआ है।

चोर घर का ताला तोड़कर घर में घुसे और घर में रखे गहने और नकदी को चुरा ले गए हैं। आरोपितों के खिलाफ पहले भी चोरी समेत अन्य मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं। चोरी 24 अक्टूबर 2025 की रात को हुई चोरी के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की। चोर घर में घुसकर नकदी और जेवर ले गए थे।

बिना लाइसेंस कुत्ता टहला रहे लोगों पर 20 हजार जुर्माना

लखनऊ, स्वराज इंडिया। राजधानी लखनऊ में नगर निगम के पशु कल्याण विभाग ने बृहस्पतिवार सुबह बंगला बाजार, शारदा नगर और रुचि खंड में बिना लाइसेंस के कुत्ता पालने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। बिना लाइसेंस के कुत्ता टहलाते मिले चार लोगों से 20 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। इस दौरान टीम की तीखी नोकझोंक भी हुई।

पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि सुबह 6:30 बजे जोन आठ के कई इलाकों में अभियान चलाया गया। चार कुत्ता पालकों से जुर्माना वसूलने के बाद लाइसेंस भी बनाए गए। पशु कल्याण अधिकारी ने बताया कि लोग घर बैठे वेबसाइट lmc.up.nic.in से लाइसेंस बनवा सकते हैं।

भाजपा विधायक के भाई मिथलेश रावत की सड़क हादसे में हुई मौत

कुरखा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने मारी टक्कर

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बाराबंकी। बाराबंकी की हैदरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दिनेश कुमार रावत के छोटे भाई मिथलेश रावत की शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर इटावा जिले के कुरखा गांव के पास सुबह करीब 5:30 बजे यह हादसा उस समय हुआ, जब कार में सवार चालक को अचानक नींद आने पर वाहन रोका गया और ड्राइवर बदलने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने कार को साइड से जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के मुताबिक रास्ते में ड्राइवर हाफिज को अचानक नींद महसूस हुई, जिस पर कार को रोका गया और ड्राइवर बदलने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान गाड़ी का गेट खुला होने पर डंपर ने कार को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और विधायक दिनेश रावत के भाई मिथलेश रावत निवासी मीरापुर थाना कोठी की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ कार में मौजूद हाफिज और दिलीप पटेल, दोनों निवासी मीरापुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा की एम्बुलेंस ने घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए आयुर्विज्ञान संस्थान सैफई रेफर किया, जहां उपचार के दौरान मिथलेश ने दम तोड़ दिया।

हादसे की जानकारी मिलते ही विधायक दिनेश रावत पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और वे तत्काल सैफई के लिए रवाना हो गए। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील सिंह ने बताया कि हादसा बेहद दर्दनाक था और परिवार के सभी सदस्य मौके पर पहुंच गए हैं।

12 साल की नाबालिग से दुष्कर्म, कोर्ट ने सुनाई 25 साल कारावास की सजा

बलिया, विशेष संवाददाता। बलिया जिले की एक विशेष अदालत ने 12 वर्षीया किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने के ढाई वर्ष पुराने मामले में आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष कारावास की सजा सुनाई।

अभियोजन पक्ष के अनुसार पकड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी 12 वर्षीय किशोरी 23 मार्च 2023 को खेजुरी के सरकारी अस्पताल से दवा लेने गई थी, तभी मौर्या ने उसे अगवा कर उससे दुष्कर्म किया।

डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक में आयकर टीम का बड़ा छापा

102 करोड़ के गबन मामले में जांच की आशंका

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

इटावा। इटावा जिले के डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक में आयकर विभाग की एक टीम ने बड़ा छापा मारा है। आयकर टीम तीन गाड़ियों से बैंक पहुंची। लखनऊ, कानपुर और प्रयागराज नंबर की गाड़ियों से अधिकारी पहुंचे हैं। उनके साथ स्थानीय पुलिस और पीएसी की एक टुकड़ी भी सुरक्षा के लिए शामिल थी। आशंका जताई जा रही है कि यह छापेमारी 102 करोड़ के बहुचर्चित गबन के मामले से जुड़ी हुई है, जिसमें पहले भी कई लोगों को जेल भेजा जा चुका है।

» लखनऊ, कानपुर और प्रयागराज नंबर की गाड़ियों से पहुंचे अधिकारी।

आयकर विभाग की इस बड़ी छापेमारी के दौरान को-ऑपरेटिव बैंक के दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की गहनता से जांच की जा रही है।